सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश

समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व शाला शिक्षा पाठ्यक्रम

"पहला प्रयास"

भाग : 8

माह अक्तुबर

मासिक विषय : गांव के संस्थान, वाद्य यंत्र और त्यौहार

निदेशालय
महिला एवं बाल विकास
हिमाचल प्रदेश, शिमला–171009

आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व शाला शिक्षा पाठ्यक्रम

माह अक्तुबर

मासिक एंव साप्ताहिक विषय

माहः अक्तुबर

गांव के संस्थान वाद्य यन्त्र व त्यौहार

पहला सप्ताह

गांव के सार्वजनिक संस्थान

दूसरा सप्ताह

गांव के पूजा स्थल

चौथा सप्ताह

त्यौहार

तीसरा सप्ताह

वाद्य यन्त्र

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए

- बच्चों के साथ मधुरता एवं कोमलता का व्यवहार रखें।
- 3 से 4 वर्ष और 4 से 5 वर्ष के बच्चों के साथ अलग–अलग गतिविधि करवाते समय यह ध्यान रखें कि दोनों ग्रुप के बच्चे गतिविधि में व्यस्त हैं और अगर कोई ग्रुप गतिविधि जल्दी खत्म करता है तो उन्हें कविता गाने या चाक से ड्राईंग करने के लिए कहें ऐसे समय उन बच्चों पर ज्यादा ध्यान दें जिन्हें कार्य करने में मुश्किल महसूस हो रही हो।
- कार्यकर्ता बच्चों की समझ और गति के अनुसार गतिविधियों को दोहराएं या जल्दी करवाएं, गतिविधियों की अवधि बच्चो की ध्यान अवधि(15–20 मिनट) के दृष्टिगत लगभग 20 मिनट की हो। अतिरिक्त समय समापन वह अगली गतिविधि की शुरुआत के लिए आबंटित करे। कार्यकर्ता उन विषयों को अधिक समय दें और दोहराएं जिन्हे बच्चों को समझने में मुश्किल हो रही हो ।
- मासिक विषय के अनुरूप समर्थक वातावरण बनाऐं रखने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र को विषय अनुरूप व्यवस्थित करें।
- कार्यकर्ता माह का विषय पहले सोमवार से आरम्भ करें, उदाहरणतः यदि पहला सोमवार 5 तारीख को है तो उस माह का विषय 5 तारीख से आरम्भ करे और 1 से 4 तारीख तक गत माह में करवाए गए विषयों की पुर्नावृति करवाएं इसी प्रकार कार्यकर्ता माह के चौथे सप्ताह के पश्चात भी माह के दौरान करवाए गए विषयों की पुर्नावृति करवाएगी और गतिविधियों के दौरान बच्चों का निरीक्षण और आंकलन की क्रिया को पूरा करेंगी।
- कार्यकर्ता हर दिन का पाठ्यक्रम पहले से पढ़कर रखें।
- कार्यकर्ता आंगनवाड़ो केन्द्र बन्द करने से पहले अगले दिन की गतिविधियों की सारी तैयारी कर लें। दैनिक गतिविधियों को आरम्भ करने से पूर्व ही सभी सहायक शिक्षण सामग्री व्यवस्थित कर ले ताकि दिन भर उन्हे सामान एकत्रित करने के लिए बच्चों को छोड़कर उठना न पड़े।
- यदि किसी दैनिक विषय क क्रियान्वयन में स्थानीय परिवेश के कारण कठिनाई हो तो किसी अन्य प्रासंगिक विषय का प्रयोग करें।
- यदि किसी दैनिक विषय को अवकाश अथवा किन्हीं अन्य कारणों कि वजह से लागू न कर सकें तो उसे माह के अन्त में करें।

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के सार्वजनिक संस्थान

सोमवार — दैनिक विषय : आंगनवाडो

लक्ष्यः– माह के अन्त में बच्चे सक्षम होंगे–

1. सार्वजनिक संस्थानों की पहचान करने में।
2. विभिन्न धार्मिक स्थलों की जानकारी देने में।
3. विभिन्न वाद्य–यन्त्रों की आवाज की पहचान करने में।
4. विभिन्न त्यौहारों, रंगों की पहचान करने में।

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागतः–

आंगनवाडो कार्यकर्ता सभी के साथ नाम लेकर नमस्ते से उनका अभिवादन करेगी। बच्चे भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को तथा आंगनवाड़ी सहायिका को नमस्ते करेंगे। इसके बाद निम्न प्रार्थना व राष्ट्रगान करवाएं।

प्रार्थना	राष्ट्रगान
जब सच्चे मन से लग्न लगी हो, भगवान मिलेंगे कभी न कभी–2 फूलों में मिलेंगे,कलियों में मिलेंगे, कॉटों में मिलेंगे कभी न कभी–2 जब सच्चे मन से लग्न लगी हो, भगवान मिलेंगे कभी न कभी–2 मन्दिर में मिलेंगे, मस्जिद में मिलेंगे गिरजा में मिलेंगे कभी न कभी–2 जब सच्चे मन से लग्न लगी हो, भगवान मिलेंगे कभी न कभी–2 झीलों में मिलेंगे, झरनों में मिलेंगे नदियों में मिलेंगे कभी न कभी–2 जब सच्चे मन से लग्न लगी हो, भगवान मिलेंगे कभी न कभी–2	जन–गण–मन अधिनायक जय हे, भारत भाग्य विधाता। पंजाब, सिंध, गुजरात मराठा, द्रविड, उत्कल बंग। विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा उच्छल, जलधि, तरंग। तव शुभ नामे जागे। तव शुभ आशिष मागे। गाए तव जय गाथा। जन–गण–मंगलदायक जय हे, भारत भाग्य विधाता। जय हे, जय हे, जय हे जय, जय, जय, जय हे।

स्वच्छता जांचः– कार्यकर्ता बच्चों से एक दूसरे के शरीर के अंगो एवं वस्तुओं की जांच करने को कहें, सभी बच्चे एक दूसरे के नाखून, दॉत, बाल, कपड़े, आदि की स्वच्छता की जांच करे।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आंगनवाड़ी के बारे में बातचीत करेंगी जैसे आंगनवाड़ी किस के साथ आये हो ? तुम सब कहां बैठे हो ? आंगनवाड़ी में कैसे लगता है ? आंगनवाड़ी में क्या–2 करते हो, इत्यादि प्रश्न पूछते हुए दैनिक विषय की जानकारी देगी।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : श्रव्य/दृश्य– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*
(3–5+ वर्ग हेतु)

- खेल द्वारा– सभी बच्चों को बिठाएं और एक बच्चे की आंखे बन्द करें फिर एक बच्चा कोई भी आवाज निकालेगा व पूछेगा कि मैं कौन हूं। फिर जिसकी ऑखे बन्द है वो बताएगा कि किसने आवाज निकाली थी।
- अलग क्या है ?

पेन्सिल	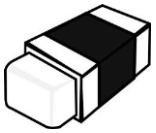 रबड	पेड	शार्पनर

लंच बाक्स	कटोरी	फूल	प्लेट

- समान वस्तुओं/चित्रों का मिलान करवाएं

कुर्सी	लंचबाक्स

मेज	स्लेट
स्लेट	कुर्सी
कापी	मेज
लंचबाक्स	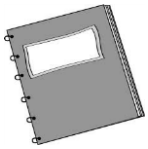 कापी

- समूह बनाना
  बच्चों को बहुत सी पेन्सिल, रंग, क्ले आदि देकर उन्हें पेन्सिलों को अलग समूह में, रंगों को अलग समूह में, क्ले को अलग समूह में रखने को कहें।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– चलना/संतुलन बनाना

एडियों के बल चलना व पैर की उंगलियों के बल चलना।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'कितना सुन्दर आंगनवाड़ी ' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

कितना सुन्दर आंगनवाड़ी हमारा।
कितना सुन्दर आंगनवाड़ी हमारा, हमको यह लगता प्यारा।
फूल खिले कितने सुन्दर–सुन्दर, रंग दिखाते हैं भरभर कर।
बहन जो हमको फूल दिखाती, फूलों की पहचान कराती।
खिचड ा खीर हमें खिलाती, चना बिस्कुट हमें खिलाती।
अच्छी–अच्छी बात बताती, हम सबके मन को भाती।
पहेली–काली टोपी लाल रंग, मोटा मेरा पेट
चिट्ठी पत्री डालोगे तभी खुले मेरा गेट। बोलो क्या ? उत्तर–लैटर बाक्स

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः रंग भरना/चित्रकला

आंगनवाड़ी या घर का चित्र बनाकर उसमें रंग भरवाएं।

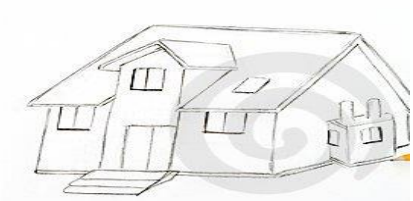

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'डाक्टर अंकल' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं

एक गांव में सूरज और दीपा रहते थे। दोनों में गहरी दोस्ती थी। दोनों एक ही स्कूल में पढने जाते थे। पर दोनों में एक बडा अन्तर था। दीपा का घर और आस–पास का वातावरण साफ सूथरा रहता था पर सूरज के घर में गन्दगी थी। उसके घर में धूप ठीक से नहीं आती थी। घर के बाहर नाली भी खुली थी। उसमें कचरा जमा हो गया था और पानी निकल नहीं पाता था। इससे वहां कीडे मकोड, मच्छर, मक्खी पैदा हो गए थे। एक दिन सूरज स्कूल नहीं आया क्योंकि उसे बुखार हो गया था। उसकी मां ने कुछ दवा भी दी पर सूरज का बुखार नहीं उतरा। दो तीन दिन बाद सूरज स्कूल नहीं पहुंचा तो दीपा उस घर पर देखने आई। सूरज के घर की गन्दगी देख कर उसने कुछ नहीं कहा पर सूरज की हालत देखकर उसने सूरज की मां से डाक्टर बुलाने को कहा। दीपा स्वयं जाकर डाक्टर को लेकर आई। डाक्टर ने सूरज का हाल देखकर कहा कि उसे मलेरिया हो गया है और सूरज को उसने मलेरिया की दवाई दी पर डाक्टर ने सूरज की मां को समझाया कि उसे अपने घर में सफाई रखनी चाहिए और नाली में गंदे पानी व कचरा को साफ करवाना चाहिए और पानी को जमा नहीं होने देना चाहिए। नहीं तो मच्छर पैदा हो जाते हैं अब स्रज की मां को अपनी गलती पता चल गई। उसने दूसरे दि नही अपने घर की सफाई की। मच्छर मारने की दवा डलवाई। नगरपालिका के लोगों को बुलाकर नाली की सफाई करवाई और नाली में दवा डलवाई। इससे सारे मच्छर मर गए। सूरज भी अच्छा होकर स्कूल आने लगा था। अब वह भी खूब साफ रहने लगा।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले निम्न प्रार्थना करवाएंः

हे ईश्वर हम तेरे बच्चे, तुझको शीश नवाते हैं।
खाना पास हमारे है, बच्चे तुम्हे बुलाते हैं।
****

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के सार्वजनिक संस्थान

मंगलवार — दैनिक विषयः विद्यालय

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी, जैसेः– बच्चों से पूछें कि आपके बड भाई–बहन कहां पढने के लिए जाते हैं ? क्या आपको पता है कि उसे विद्यालय कहते हैं व अंग्रेजी में स्कूल कहते हैं ? क्या स्कूल में जाकर आप अच्छी बातें सीखते हैं, इत्यादि हल्के–फुल्के प्रश्न उत्तरों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को दैनिक विषय से जोड़ेगी।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : रंगो का ज्ञान–*(विधि – पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- खेल करवांए– बच्चों के नाम विभिन्न रंगों के नाम पर रखें जैसे– लाल, हरा, पीला, नीला। फिर खेल करवाएं। एक बच्चे की ऑखें बन्द करें फिर बोलें– आज मेरी लाल परी चुपके से आना, शोर न मचाना, मार के चले जाना, मुड के ताली बजाना, हॅसना ना फिर बच्चा बताएगा किसने मारा था।

- आगे क्या है–

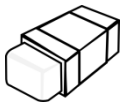

 लाल पेन्सिल	 सफेद रबड	 लाल पेन्सिल	?	 लाल पेन्सिल	?	 लाल पेन्सिल

 हरा लंचबाक्स	 नीली वाटरबोटल	 हरा लंचबाक्स	 नीली वाटरबोटल	?	 नीली वाटरबोटल	?

- बच्चों को विद्यालय में काम आने वाली चीजों के फलैश कार्ड देकर रंगों के हिसाब से छांटने को दें। जैसे–किताब, बस्ता, पेन्सिल, लंचबॉक्स, बोतल, रबड इत्यादि फिर इनमें लाल रंग से मिलती चीजों का अलग ढेर, सफेद चीजों का अलग ढेर लगवाएं।
- अलग क्या है ?

 लाल किताब	 लाल पेन्सिल	 लाल रबड	 हरा लंच	 लाल कापी

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>भागना / दौड़ना</u>

लीडर खेल खिलाएं

सभी बच्चों को गोले में खडा करके एक को लीडर बनाएं, दल का लीडर शरीर के विभिन्न अंगों को बारी–2 घुमाएं जैसे– पैर घुमाना, बाजू घुमाना, टांग उठाना, एक बाजू और एक टांग उठाना इत्यादि–2 अन्य सभी बच्चे उसका अनुसरण या नकल करते जाएं।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– <u>कविता / कहानी / पहेली</u>

कविता 'कितना सुन्दर आंगनवाड़ी ' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— छापना एवं पेंटिंग

विद्यालय का चित्र बनाकर उसमें छापे लगवाएं।

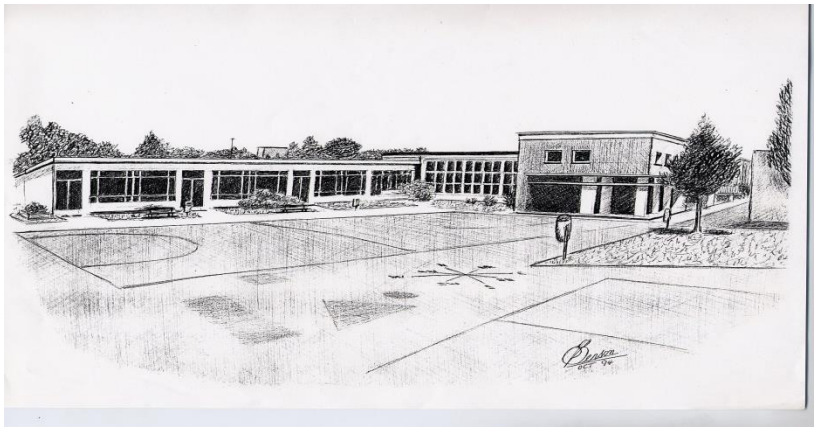

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'डॉक्टर अंकल' की दोहराई कार्यकर्ता फलैश कार्ड द्वारा करवाएं

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के सार्वजनिक संस्थान

बुधवार — दैनिक विषयः बैंक

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– क्या आपने गुल्लक देखा है ? जैसे आप अपनी गुल्लक में पैसे डालते हो वैसे ही पापा जहां पैसे रखते हैं उसे बैंक कहते हैं। बच्चों से कविता सहित बातचीत करेंगे–

मम्मो जी की रोटी गोल, पापाजी का पैसा गोल।
दादाजी का चश्मा गोल, हम भी गोल तुम भी गोल।
और हमारी धरती भी गोल।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पना : आकृति ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- मिलान करें–

- अलग क्या है ?

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः— <u>उछलना/कूदना</u>

(3—5+आयु वग)

रिंगमास्टर का खेल खिलाएं

कार्यकर्ता बच्चों के घेरे के मध्य में खडो होती है। रिंगमास्टर किसी जानवर का नाम लेता हैं सभी बच्चे उस जानवर की गतिविधियों की नकल करते हैं। रिंग मास्टर ऐसे जानवरों के नामों का प्रयोग करें, जिनसे बच्चे उंची, मध्यम या निम्न स्तर पर गतिविधियां कर सकें। खेल के अन्त में रिंग मास्टर कहता है ''परेड'' सभी बच्चे अपने मनचाहे जानवर की या शिक्षक द्वारा चुने जानवर की नकल उतारते हुए एक पंक्ति बना लेते हैं।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः— <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'कितना सुन्दर आंगनवाड़ी ' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाएं।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः— <u>फाड़ना/चिपकाना</u>

बच्चों को कागज को चौकोर, गोला कटवाकर नोट और सिक्कों के आकार में चिपकाने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः— कहानी 'डॉक्टर अंकल' की दोहराई कार्यकर्ता कठपुतली/हैंडपपट द्वारा करवाएं

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के सार्वजनिक संस्थान

वीरवार — दैनिक विषयः डाकघर

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि क्या किसी ने डाकिया देखा है ? डाकिया क्या काम करता है ? उसके पास क्या–2 होता है ? क्या कभी कोई डाकघर गया है ? किसी ने डाकघर देखा है। इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : पुर्व संख्याबोधः– छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, लम्बा–छोटा

पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- बच्चों को खेल करवाएं– जब कार्यकर्ता निर्देश दें छोटा तो सभी बच्चे झुक कर गाएंगे–छोटा लैटर बॉक्स–2 जब कार्यकर्ता बोले–मोटा लैटर बॉक्स तो बच्चे अपना पेट निकाल कर कहें– मोटा लैटर बॉक्स–2
- छोटे में सही ( )और बड में गलत ( )का निशान लगवाएं।

	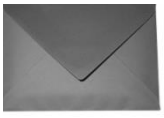

- अलग क्या है ?

लिफाफा	टिकट	डाकिया	सेब

- बच्चों को डाकटिकट, लेटरबॉक्स, डाकिया, डॉक्टर, सिरेन्ज व स्टेथोस्काप आदि के फ्लैश कार्ड मिलाकर दें उन्हें फिर डाकघर में प्रयोग होने वाली चीजों को समूह में रखने को कहें।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— रेंगना/लुढकना

लैटरबाक्स का माडल या गते की पेटी रखकर बच्चे को वहां तक रेंगकर, या लुढक कर जाने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'कितना सुन्दर आंगनवाड़ी ' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— पिरोना/छांटना

बच्चों को शादी के कार्ड, पत्र, कागज की किश्ती, फिरकी आदि छांटने को कहें। फिर बच्चों को कागज की फिरकी लकडी में पिरोने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'डॉक्टर अंकल' की दोहराई कार्यकर्ता अभिनय/नाटकीकरण द्वारा करवाएं

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के सार्वजनिक संस्थान

शुक्रवार — दैनिक विषयः लाल स्वास्थ्य केन्द्र

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि क्या किसी ने डॉक्टर देखा है ? जब बीमार हो जाते हैं तो मम्मी–पापा आपको कहां लेकर जाते हैं ? फिर बच्चों को बताएं कि जिस जगह दवाई दिलाते हैं उसे अस्पताल या स्वस्थ्य केन्द्र कहते हैं।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिल्पनाः कमबद्ध सोच

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–4 आयु वर्ग)

- स्वास्थ्य केन्द्र पहले कौन पहुंचेगा ?

- बीमार क्या खाएगा उस पर सही का निशान लगाएं

- डॉक्टर क्या प्रयोग करेगा ?

(4–5+ आयु वर्ग)

बच्चों को फ्लैश कॉर्ड देंगे उसमें शर्ट का साथी ढूंढने को कहेंगे।

?

टी–शर्ट की आकृति बनाकर उसकी एक बाजू गुम करके बच्चों से पूछेंगे कि इसमें क्या गुम है ?

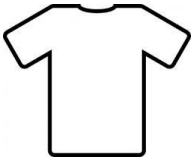

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद का खेल

बच्चों के सामने दवाई के खाली पत्त, खाली शीशी आदि रख कर छोटी गेंद से निशाना लगवाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'कितना सुन्दर आंगनवाड़ी ' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिटटी/पानी के खेल

बच्चों से क्ले की छोटी–2 गोलियां बनवाएं।

खाली बोतलों के ढक्कन खुलवाएं, बंद करवांए।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'डॉक्टर अंकल' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाएं

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के पूजा स्थल

सोमवार — दैनिक विषय : मन्दिर

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि पूजा करने कहां जाते हो ? किसके मम्मी–पापा, भाई–बहन पूजा करते हैं ? कौन–2 पूजा करता है ? पूजा करने कीर्तन सुनने कहां जाते हो ? किस ने मन्दिर देखा है ? मन्दिर में क्या–2 होता है ? मन्दिर में हिन्दु धर्म के लोगों के साथ–2 अन्य धर्मों के लोग भी पूजा करने जाते हैं, इत्यादि।

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : स्पर्श / गंध *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व क्रमबद्ध)*

(सभी वर्गों के लिए)

- बच्चों को घण्टी, चंदन का टीका, छोटा जल का लोटा, भगवान का चित्र, फलों व सब्जियों आदि के फ्लैश कार्ड देकर ढूंढकर मन्दिर से जुडी चीजें छांटने को कहें।
- आगे क्या आएगा

					?

- बच्चों को अगरबत्ती, माचिस, पूदीना, हरी मिर्च आदि सुंघाकर पहचान करवाएं।

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>गेंद के खेल</u>

बच्चों को गोले में खडा करके निर्देश दें।
ताली बजाओ– बच्चे ताली बजाएंगे
चुटकी बजाओ– बच्चे चुटकी बजाएंगे
अब गोल घूम जाओ– बच्चे घूमेंगे।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं

हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई
आपस में हम भाई–भाई
नहीं किसी से लडेंगे हम,
प्यार की बातें करेंगे हम।
मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा,
गिरजाघर भी जाएंगे हम।
मिलके सारी दुनिया को
एकता का पाठ पढाएंगे हम।

पहेली– अंधेरे में रोशनी लाऊं
जितनी जली पिघलती जाऊ। बोलो क्या ? उत्तर–मोमबती

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः <u>रंग भरना/चित्रकला</u>

मन्दिर के चित्र में बच्चों से रंग भरवाए।

<u>01:15 से 01:45</u>

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

'ईमानदार लकडहारा' कहानी को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट के द्वारा करवाए।

किसी देश में एक गरीब लकड़हारा रहता था। वह कठोर परिश्रम करके वन से लकडियां काटकर लाता और उन्हे बेच कर अपने परिवार का पेट पालता था।

एक दिन जब वह जंगल में पेड़ काट रहा था, उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से गिर गई और पास बहती गहरी नदी में जा पड़ी। बेचारा लकड़हारा बहुत निराश हुआं वह बैठ कर रोने लगा, हाय अब क्या करुं, कैसे लकडो काटूंगा ? अब मेरे बच्चे और स्त्री तो भूखे ही रह जाएंगे। वह विलाप करने लगा।

उसी समय उस ओर एक देवता आ निकला। लकड़हारे का रोना–धोना सुनकर उसको दया आ गई। उसने उसे चुप हो जाने को कहा और नदी में छलांग लगा दी।

देवता ने नदी से एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी निकाली और कहा, '' यह रही तुम्हारी कुल्हाड़ी।'' पर लकड़हारे ने मना कर दिया, ''नहीं यह तो सोने की है, यह मेरी नहीं है'' तब देवता ने एक चांदी की कुल्हाड़ी नदी में से निकाली, '' तब यह होगी तुम्हारी ?'' उसने पूछा।

लकडहारे ने फिर मना किया, '' यह तो चांदी की है, यह मेरी कहां है।'' उसने उत्तर दिया। तीसरी बार देवता ने लकडहारे को लोहे की पुरानी कुल्हाडो निकाल कर दिखाई, तो वह प्रसन्न हो उठा और चिल्ला पडा, जी हां, श्रीमान, यही है मेरी कुल्हाडो, आपका बहुत धन्यवाद। अब मैं और मेरे स्त्री बच्चे भूखे नहीं रहेंगे।''

देवता ने लकडहारे की ईमानदारी से प्रसन्न होकर सोने और चांदी की कुल्हाडो भी उसे दे दी।

लकडहारा खुशी–खुशी से घर लौट आया। सबने उसकी बात सुनी तो देवता की बढाई करने लगे। उसका एक पडोसी ईर्ष्या से जल उठां उसने भी देवता से सोने और चांदी की कुल्हाडियां प्राप्त करने की ठानी।

पडौसी वन में आया और नदी में अपनी कुल्हाडो फेंक कर रोने लगा। उस दिन भी देवता उधर से आ निकला। दया करके उसने पानी में डुबकी लगा दी और सोने की कुल्हाडो निकाल कर उस लालची आदमी को दिखाई। सूर्य के प्रकाश में चमचमाती सुन्दर ठोस सोने की भारी कुल्हाडो देख क रवह आनन्द विभोर हो उठा। हां महाराज, यही है मेरी पुरानी कुल्हाडो। देवता ने कुल्हाडो तुरन्त पानी में फेंक दी और स्वयं भी उस लकडहारे की आंखों से ओझल हो गया।

लालची लकडहारा अपनी लोहे की कुल्हाडो भी खो बैठा।

शिक्षा– लालच बुरी बला।

<u>01:45 से 02:00</u>

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

****

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के पूजा स्थल

मंगलवार — दैनिक विषयः मस्जिद

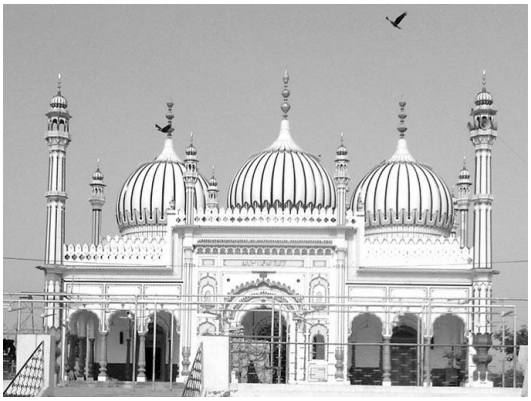

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों को विभिन्न पूजा स्थलों के बारे में बताएं। बच्चों को बताएं कि जहां मुस्लिम पूजा करते हैं उसे मस्जिद कहते हैं। मुस्लिम धर्म के लोग मस्जिद मे नमाज पढते हैं। जैसे मन्दिर में पूजा करते हैं वैसे ही हम मस्जिद मे जाकर प्जा करते है।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि – मिलान, विभेदीकरण, युपिंग)*

पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- बच्चों को विभिन्न रंगों की कागज की बनी हुई टोपियां पहनाएं। एक रंग की दो–2 टोपियां बनाएं। जमीन पर गोला बनाकर रुमाल रखें जब कार्यकर्ता बोले–लाल रंग तो लालरंग की टोपियां पहने बच्चे जाएंगे व रुमाल उठा कर लाएंगे। जो पहले रुमाल को उठाकर लाएगा वो विजेता होगा।

- क्रमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

लाल टोपी	हरी टोपी	सफेद टोपी	लाल टोपी	?	सफेद टोपी

- बच्चों को बहुत से रंगों के कागज देकर उन्हे रंगानुसार छांटने को कहें जैसे– जब कार्यकर्त्ता बोले–हरा तो बच्चे हरे रंग के कागज छांट कर अलग रखें।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– भागना/दौड़ना

आधे बच्चों को रहीम व आधे बच्चों को अकबर बनाएंगे। जब कार्यकर्ता कहेगी–रहीम! तो रहीम बने बच्चे दौडेंगे जब कार्यकर्ता बोले–अकबर! तो अकबर बने बच्चे दौंडेगे।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं

2:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः– छापना/पेंटिंग

धागे द्वारा पेंटिंग करवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

'ईमानदार लकडहारा' कहानी को कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड के द्वारा करवाए।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

दूसरा सप्ताह
बुधवार

साप्ताहिक विषय : गांव के पूजा स्थल
दैनिक विषयः गुरुद्वारा

समय

गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– भगवान की पूजा मन्दिर, मस्जिद और गुरुद्वारा में होती है। सिक्ख धर्म के लोग गुरुद्वारे में पूजा करते हैं। गुरुद्वारा किस–2 बच्चे ने देखा है ? वहां सिक्खों की पवित्र पुस्तक गुरु ग्रन्थ साहिब की पूजा की जाती है। वहां लोगों के लिए लंगर भी लगते हैं, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति ज्ञान– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग)

क्रमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

तलवार	ढाल	तलवार	ढाल	?	ढाल

			?		

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— उछलना/कूदना

(3—5+आयु वग)

छोटा सा कोई खिलौना या लकडो का ब्लॉक रखकर बच्चोंको उसके ऊपर से छलांग लगाकर इधर—उधर कूदने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाएं

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— फाड़ना/चिपकाना

बच्चों को गुरुद्वारे जैसी आकृति बनाकर दें उसमें बच्चों को रंग—बिरंगे कागज के टुकड चिपकाने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

'ईमानदार लकडहारा' कहानी को कार्यकर्ता कठपुतली/फिंगरपपट के द्वारा करवाए।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के पूजा स्थल

वीरवार — दैनिक विषयः गिरजाघर

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– गिरजाघर किस ने देखा है ? सांता–क्लाज के बारे में चर्चा करेंगे। ईसाई धर्म के लोग गिरजाघर में जाते हैं। बच्चों को बताएं कि किसमस पर क्या–2 होता है ?इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः समय / दूरी / दिशा– *(विधि–आगे–पीछे, पहले–बाद में, दांए–बांए)*

पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

- आगे क्या आएगा ?

					?

- गुब्बारे व टॉफी के रैपर अलग–2 छॉटने को कहें।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– रेंगना/लुढकना

बच्चों को सांप व कछुए की तरह रेंगने को कहें व बन्दर की तरह लुढकने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाएं

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः– पिरोना/छांटना

बच्चों को धागे में मोती पिरोने को कहें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

'ईमानदार लकडहारा' कहानी को कार्यकर्ता अभिनय/नाटकीकरण के द्वारा करवाए।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के पूजा स्थल

शुक्रवार — दैनिक विषयः दशहरा

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पिछले दिनों की गतिविधियों के बारे में चर्चा करेंगे। उसके बाद बच्चों से पूछेंगे कि रावण का पुतला किसने देखा है ? रावण को किस दिन जलाते हैं ? दशहरा देखने कौन–2 जाता है ? दशहरे में क्या–2 होता है ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः पजल

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ आयु वर्ग)

- बच्चों को ब्लॉक्स जोडने को दें

- राम को तीर चलाते हुए रावण तक पहुंचाएं

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

बच्चों के सामने कोई नर्म खिलौना रखकर उस पर गेंद से निशाना लगवाएं

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाएं

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिटटी/पानी के खेल

बच्चों से लकडो का छोटा सा धनुष बाण बनवाकर पानी की कटोरी में निशाने लगवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

'ईमानदार लकडहारा' कहानी को कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण के द्वारा करवाए।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के वाद्य–यन्त्र

सोमवार — दैनिक विषय : ढोलक

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– ढोलक, झुनझुना, बांसुरी, घुंघरु, डफली, तबला आदि के बारे में चर्चा करेंगे। फिर बच्चों से पूछेंगे कि ढोलक किस–2 ने देखा है, ढोलक किस–2 ने बजाई है ? इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः श्रव्य/दृश्य–*(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

(3–5+ वर्ग के लिए)

- खेल करवाएंः– डम–डम–डम ये तो ढोलक की आवाज है हमें ढोलक बजाना आता है। डफ–डफ–डफ ये तो डफली की आवाज है।
- अलग क्या है ?

- समान वस्तुओं/चित्रों का मिलान करवाएं–

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– चलना/संतुलन

बच्चों को गोले में खडा करके खेल करवाएं। कार्यकर्ता बोले–डफ, डफ, डफ। फिर बच्चे बोलेंगे ये तो डफली की आवाज है हमें डफली बजाना आता है। बच्चे गोल में घूमते हुए ये खेल खेलेंगे। फिर कार्यकर्ता बोले–चुट–चुट–चुट। ये तो चुटकी की आवाज है। हमें चुटकी बजाना आता है। चट–चट–चट ये तो ताली की आवाज है हमें ताली बजाना आता है। ढम–ढम–ढम। ये तो ढोलक की आवाज है हमें ढोलक बजाना आता है।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'नाचेगी गुडिया छम–छम–छम' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

नाचेगी गुडिया छम–छम–छम
बाजेगा बाजा ढम–ढम–ढम–2
चमकेगी बिन्दिया चम–चम–चम
खनकेगा कंगना खन–खन–खन
नाचेगी गुडिया छम–छम–छम
बाजेगी पायल छन–छन–छन
नाचेंगे मिलकर हम–हम–हम–2
बाजेगी डफली डफ–डफ–डफ
गाएंगे मिलकर हम–हम–हम–2

पहेली– गोल सा मेरा पेट, जैसे कोई मोटा सेठ
दोनो तरफ से पिटती हूं, डम–डम करके बजती हूं।
बताओ क्या ? उत्तर–ढोलक

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः रंग भरना/चित्रकला

विभिन्न वाद्ययन्त्र का चित्र बनाकर उसमें रंग भरवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'राजू और ढोलक' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाए।

एक बार राजू अपनी नानी के घर जाने की जिद करने लगा उसने अपनी मॉ से कहा कि मैं नानी के घर जॉऊगा। मां ने कहा कि रास्ते में बहुत बडा जंगल है, तुझ जानवर खा जाएंगे। वह नहीं माना। फिर राजू की मां ने उसे छेद वाली ढोलक के अन्दर बैठ कर जाने को कहा– जब तुम्हे कोई जानवर मिले तो कहना कि मैं जब नानी के घर से आऊंगा तो खा लेना। वह चला जाता है। जब रास्ते में उसे भालू मिला तो उसने छेद में से देखकर कहा–''चल मेरी ढोलक, ठुमक–ठुमक नानी के घर जाउंगा, मोटा होकर आउंगा।'' भालू ने सोचा इसे जाने देता हूं। जब ये मोटा होकर आएगा तो मैं इसे खांउगा। इसी तरह वह जंगल के रास्ते सभी जानवरों को यही गाना सुनाता रहा और सभी जानवरों को मुर्ख बनाता रहा तथा ठीक–ठाक अपनी नानी के घर पहुंच गया।

शिक्षा– सूझ–बूझ से हर मुसीबत का सामना करना आसान होता है।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

****

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के वाद्य–यन्त्र

मंगलवार — दैनिक विषयः बांसुरी

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– किस–2 ने बांसुरी देखी है ? किस–2 के पास बांसुरी है ? क्या आप सभी ने भगवान कृष्ण के चित्र में उनके हाथ में बांसुरी देखी है ? बांसुरी बजाने से मधुर संगीत सुनाई देता है। इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग के लिए)

- बच्चों को रंग–बिरंगे फ्लैश कार्ड देकर रंगो के निर्देशानुसार छांटने को कहें।
- क्रमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

लाल बांसुरी	पीली बांसुरी	लाल बांसुरी	?	लाल बांसुरी

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— भागना/दौड़ना

सभी बच्चों को गोलाकार में खडा करें फिर जैसे ही बांसुरी बजे, सभी बच्चे गोले के अन्दर दौडने लगे और जब बांसुरी बजनी बंद हो जाए तो सभी बच्चे अपनी–2 जगह खडे हो जाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'नाचेगी गुडिया छम–छम–छम' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

सृजनात्मक विकासः— छापना/पेंटिंग

- अंगुली या भिण्डी से छापे लगवाएं।
- बांसुरी बनवाएं या बांसुरी के चित्र में क्ले पेंटिंग करवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'राजू और ढोलक' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाए।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के वाद्य–यन्त्र

बुधवार — दैनिक विषयः झुनझुना

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– खिलौने के बारे में प्रश्न करें कि किस–2 कौन–2 सा खिलौना पसन्द है ? झुनझुना किस–2 ने देखा है ? क्या आपके पास झुनझुना है ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- आकृति के अनुसार मिलान करवाएं

गोल झुनझुना	चौकोर

त्रिकोण	गोल
चौकोर	त्रिकोण

- अलग क्या है ?

चौकोर झुनझुना	त्रिकोण झुनझुना	गोल झुनझुना	गेंद

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः– <u>उछलना/कूदना</u>

(3–5+आयु वग)

जमीन पर झुनझुने की आकृति बनाकर उस पर से बच्चों को छलांग लगाने को कहें।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः– <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'नाचेगी गुडिया छम–छम–छम' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाएं।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः– <u>फाड़ना/चिपकाना</u>

खाली माचिस की डिब्बी, छोटे–2 कंकड और लकडी की डण्डी लेकर बच्चों से माचिस की डिब्बी में कंकड भरवाएं फिर उस पर कागज चिपकाने को कहें और उसमें लकडी की डण्डी लगवाकर झुनझुना बनवाएं।

<u>01:15 से 01:45</u>

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'राजू और ढोलक' की दोहराई कार्यकर्ता कठपुतली/हैंडपपट द्वारा करवाए।

<u>01:45 से 02:00</u>

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गाले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//*********************************//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के वाद्य–यन्त्र

वीरवार — दैनिक विषयः घुंघरु

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– आप सबने मम्मी के पांव की पायल में छोटे–2 घुंघरु देखे हैं या नहीं ? घुंघरु की आवाज आप सबने सुनी है या नहीं ? किस–2 ने घुंघरु देखा है ? और कहां–2 देखा है, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : पुर्व संख्याबोध :– *(विधि–छोटा–बडा, मोटा–पतला, लम्बा–छोटा)*

पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- आकार के अनुसार मिलान करवाएं–

- अलग क्या है

<u>11:45 से 12:15</u>

शारीरिक विकासः— <u>रेंगना/लुढकना</u>

कार्यकर्ता घुंघरु बजाएं फिर बच्चे रेंगकर सामने रखे खिलौने तक जाएं।

<u>12:15 से 12:45</u>

भाषा विकासः— <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'नाचेगी गुडिया छम—छम—छम' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अकेले—2 करवाएं।

<u>12:45 से 01:15</u>

सृजनात्मक विकासः— <u>पिरोना/छांटना</u>

बच्चों से क्ले के घुंघरु बनाकर धागे में पिरोने को कहें।

<u>01:15 से 01:45</u>

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'राजू और ढोलक' की दोहराई कार्यकर्ता नाटकीकरण द्वारा करवाए।

<u>01:45 से 02:00</u>

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : गांव के वाद्य–यन्त्र

शुक्रवार — दैनिक विषयः डफली

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– डफली किस–2 ने देखी है ? किस–2 ने डफली बजाई है ? डफली की आवाज कैसी लगती है ?

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः यादाश्त

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ आयु वर्ग)

बच्चों को ढोलक, बांसुरी, झुनझुना, घुंघरु, डफली के चित्र दिखाकर उनसे पूछें कि ये किस चीज के चित्र हैं ?

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

कोई भी आकृति बनाकर एकजगह डफली रखें फिर बच्चे को गेंद पैर मारकर डफली तक पहुंचाने को कहें।

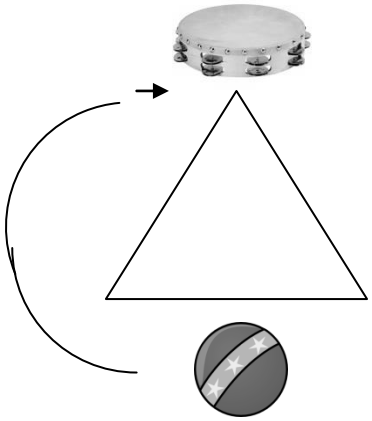

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'नाचेगी गुडिया छम—छम—छम' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिटटी/पानी के खेल

मिट्टी में उंगलियों से विभिन्न आकृतियां बनवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'राजू और ढोलक' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाए।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : त्यौहार

सोमवार — दैनिक विषय : दिवाली

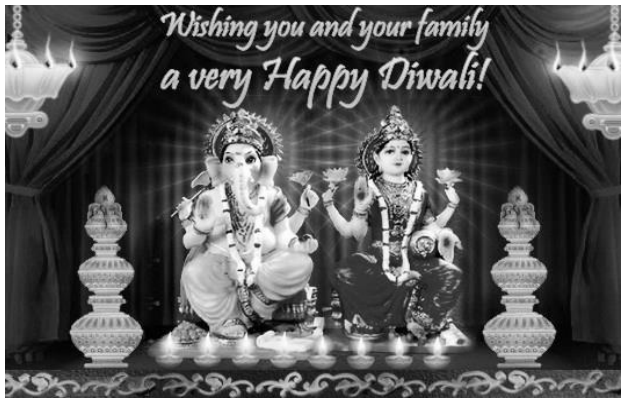

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– पटाखे कब जलाते हैं ? फुलझड़ी कौन–2 जलाता है मम्मी–पापा दिवाली के दिन आपको नए कपड, मिठाई, पटाखे, मोमबत्ती लेकर देते हैं ? शाम को आप सब पूजा करते हो, इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः स्पर्श / स्वाद– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

(3–5+ वर्ग हेतु)

- एक बैग में बताशें, अखरोट, मामबती, दीये डालकर दें और बच्चे को कहें–मोमबती लो तो बच्चा मोमबती निकाले बिना बैग में देखे। केवल महसूस करके।
- कमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

बताशे	मुरमुरे		?	बताशे

- बच्चों को मिठाई, ईलाईचीदाना, खीलें–मुरमुरे, बताशे इत्यादि के स्वाद चखाकर पहचान करवाएं कि मीठो और फीक स्वाद की कौन सी चीज है ?

- बच्चों को स्पर्श करके बताशे, मोमबत्ती, पटाखें, मुरमुरे आंख बंद करके छांटने को कहें।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः– चलना/संतुलन बनाना

बच्चों के हाथ में मिट्टी का दीया देकर रस्सी पर संतुलन बनाकर चलने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'दिवाली आई' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

दिवाली आई, दिवाली आई खुशियों की बहार लाई
घुम घुकड घुम–2, चकरी बम हवाई,
इनसे बचना भाई, दिवाली आई–2
पटाखे बाजे धम धम धम नाचे गाएं हम और तुम
घर–घर दीप जलेंगे आएगी मिठाई
दिवाली आई दिवाली आई
खुशियों की बहार लाई
पढेंगे लिखेंगे करेंगे अच्छा काम
खेलों में भी हम करेंगे उंचा नाम
ल ल ल ला.....
सबसे अच्छा दोनों का मेल, समय से पढना समय से खेल
पढेंगे लिखेंगे करेंगे अच्छा काम।

पहेली–आग लगे तो चिंगारी बन जाता हूं
ठां–ठां की आवाज से सभी को डराता हूं। बोलो क्या ? उतर–पटाखा

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः चित्रकला/रंग भरना

मिट्टी का दीया बनाकर बच्चों से रंग भरवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी ' लालच का फल' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं। किसी गांव में किशन नाम का एक व्यक्ति रहता था। उसके पास एक मुर्गी थी रोज सोने का एक अण्डा देती थी। जिसे बाजार में बेचकर वो अपना गुजारा करता था।

एक दिन उसका मन ललचाया और सोचने लगा कि यदि मैं इस मुर्गी को मार कर सभी मुर्गी के अण्डे एक साथ निकाल कर बाजार में बेच दूं तो मैं एक दिन में ही बहुत अमीर बन जांऊगा। उसने चाकू से उस मुर्गी को मार डाला। परन्तु उसके अन्दर एक भी सोने का अण्डा नहीं निकला। यह देखकर किशन बहुत पछताया परन्तु अब कुछ नहीं हो सकता था।

शिक्षा– लालच का फल बुरा होता है।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः– बच्चां के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

****

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : त्यौहार

मंगलवार — दैनिक विषयः गांधी जयन्ती / आई0सी0डी0एस0

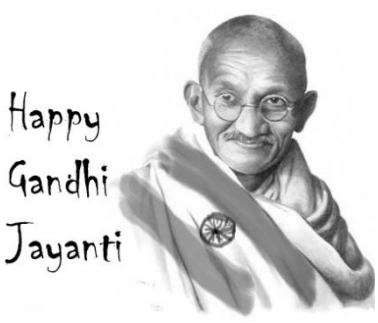

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– क्या किसी ने महात्मा गांधी जी का चित्र देखा है ? नोटों पर किसका चित्र होता है ? बच्चों को नोट दिखाकर महात्मा गांधी का चित्र दिखाएं। जैसे हम दिवाली दशहरा मनाते हैं जहां आप पढने आते हो इसका भी एक दिवस मनाया जाता है जिसे आई.सी.डी.एस. दिवस कहते हैं।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, युपिंग)*

पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

एक समान रंग वाले चित्रों का मिलान करवाएं–

नीला चक	*तिरंगा*

 तिरंगा	 *लाल चश्मा*
 लाल चश्मा	 *काला चिन्ह*
 काला चिन्ह	 *नीला चक*

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— भागना/दौड़ना

खेल— दौडो—दौडो बच्चों, पहाडों में आग लगी फिर बच्चे गोल दायरे में दौडंगे। फिर कार्यकर्ता बोलेगी दो—दो के जोड में फिर सभी बच्चे दो—दो के जोडे में खडे हो जाएंगे। जो बच्चा अकेला रह जाएगा वह खेल से बाहर हो जाएगा। इसी तरह खेल करवाते रहें। कार्यकर्ता जब बोले तीन तो तीन के जोडे में, जब बोले चार तो चार के जोड में।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'दिवाली आई' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

2:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— छापना/पेंटिंग

चूडो के छापे से चश्मा व अशोक चक्र बनवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'लालच का फल' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : त्यौहार

बुधवार — दैनिक विषयः ईद

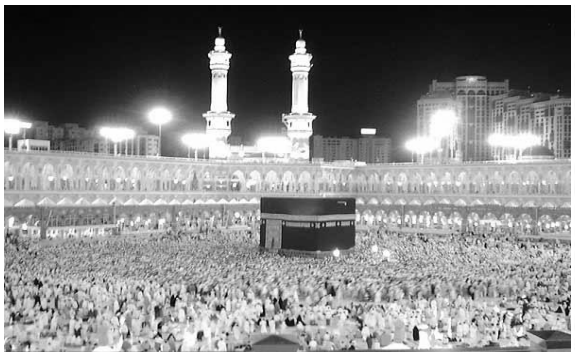

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि आप सब ने सेवियां खाई हैं ? फिर बच्चों को बताएं कि सेवियां ईद के दिन बनाई जाती हैं ? मुस्लिम लोगों का प्रमुख त्यौहार ईद है और उस दिन वो अल्लाह की इबादत में नमाज पढते हैं। तथा सेवईयां बनाते हैं। एक दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद देते हैं।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति ज्ञान–*(विधि– पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- क्रमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

गोल टोपी	आयताकार कूरान	गोल टोपी	आयताकार कूरान	?

- बच्चों को आंगनवाड़ी में उपलब्ध विभिन्न चीजें देकर उनमें से गोल, चौकोर, बेलनाकार चीजें ढूंढने छांटने को कहें।

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— उछलना/कूदना

(3—5+आयु वग)

एक के अन्दर एक दो घेरे बनाए जाएं फिर बच्चों को इन दोनों घेरों में आमने—सामने खडा कर दिया जाए फिर बच्चे अपने सामने वाले बच्चे से स्थान बदले। अन्दर के घेरे वाले बच्चे बाहर के घेरे में आ जाएं तथा बाहर के घेरे वाले बच्चे अंदर के घेरे में आ जाएं।

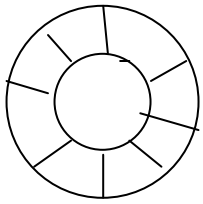

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'सब कार्यक्रमों से अच्छा आई0सी0डी0एस0 हमारा' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— फाड़ना/चिपकाना

रंग—बिरंगे कागज फाडकर खाली चावल के डिब्बे या किसी अन्य डिब्बे पे चिपकाने को कहें तथा तोरन बनवाएं।

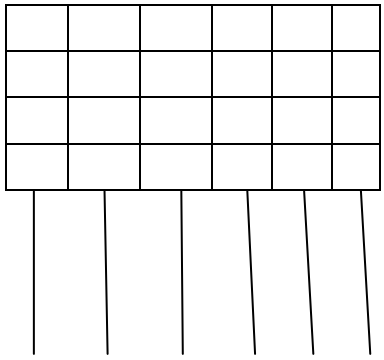

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'लालच का फल' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : त्यौहार

वीरवार — दैनिक विषयः गुरु पर्व

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– किसका दोस्त सरदार है ? किसने गुरु नानक जी का चित्र देखा है ? कौन–2 गुरुद्वारे में कभी गया है ?किस–2 ने लंगर खाया है ? फिर उन्हें बताएं कि सिक्खों का त्यौहार गुरुपर्व, जैसे हम दिवाली, दशहरा मनाते हैं इसी प्रकार सिक्ख गुरु पर्व मनाते हैं।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः समय / दूरी / दिशा– *(विधि–आगे–पीछे, पहले–बाद में, दांए–बांए)*

पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ वर्ग हेतु)

- चार बच्चों को गुरुद्वारा, मस्जिद, मन्दिर, गिरजाघर का चित्र देकर चारों दिशाओं में दूर–2 खड़ा कर दें। बाकि बच्चों को गोले में दौड़ाएं। दौड़ो–दौड़ो बच्चो, पूजा करने जाना है–3 मस्जिद में। सभी बच्चे मस्जिद बने हुए बच्चे के पास दौड़ कर जाएं, जो नहीं गया वा बाहर।
- कौन जल्दी पहुंचेगा सही ( )का निशान लगाएं

सरदार जी गुरुद्वारा

सरदार जी गुरुद्वारा

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— रेंगना/छिपना

लुका–छिपी का खेल करवाएं।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'दिवाली आई' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— पिरोना/छांटना

आपस में मिलाए हुए पूजास्थलों के फ्लैश कार्डों में से गुरुद्वारे का फ्लैश कार्ड छंटवाएं।

अलग–2 धर्मों के लोगों के कार्डो में से सरदार जी का कार्ड छंटवाएं।

सजावट की चीजें धागे में पिरोने को दें।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'लालच का फल' की दोहराई कार्यकर्ता अभिनय/नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

माह– अक्तुबर

विषय : गांव के संस्थान, वाद्ययन्त्र व त्यौहार

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : त्यौहार

शुक्रवार — दैनिक विषयः भैया–दूज

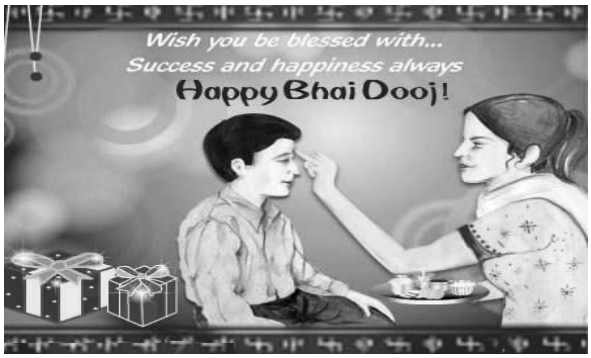

समय — गतिविधियां

10:00 से 10:30

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

10:30 से 10:45

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

10:45 से 11:15

विषय आधारित वार्तालापः–

आंगनवाडो कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– किस–2 के कितने भाई है ? भाई का नाम बताओ ? भईया–दूज के दिन कौन–2 अपने भाई को तिलक लगाते हैं ? भईया–दूज के दिन भईया को क्या–2 देते हैं। इत्यादि।

11:15 से 11:45

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः–गुम क्या है।

पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें

(3–5+ आयु वर्ग)

- बच्चों को पूछेंगे कि क्या गुम है–

11:45 से 12:15

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

गेंद को घुटनों के बीच रख कर चलने को कहें।

12:15 से 12:45

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'दिवाली आई' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाएं।

12:45 से 01:15

सृजनात्मक विकासः— मिटटी/पानी के खेल

- बच्चो को गिलास में पानी देकर खाली गिलास में डालने को कहें।
- मिटटी से प्लेट बनवाएं व छोटे—2 खिलौने बनवाएं।

01:15 से 01:45

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'लालच का फल' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाएं।

01:45 से 02:00

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//